सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 27

मार्च 2022

- शिक्षा
- स्वास्थ्य
- संस्कार
- समरसता
- स्वावलंबन

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शिविर (दार्जीलिंग-प.बं.)

खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खोरीबारी वनवासी कल्याण आश्रम, दार्जीलिंग में किया गया। इसमें 40 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा 10 Joint Liability Group (JLG) के पुरुषों ने प्रशिक्षण लिया। इस प्रशिक्षण में मधुमक्खी पालन व्यवसाय के संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। सभी शिक्षार्थियों को एक-एक आधुनिक मधु बाक्स के साथ उसके उपकरण भी दिया गया, जिससे प्रशिक्षक इस काम की शुरुआत करके स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ा सके। पूर्वी भारत के खादी ग्राम उद्योग आयोग सदस्य श्री मनोज कुमार सिंह जी ने बताया कि मधुमक्खी पालन कृषि को काफी मजबूत करता है। पोलिनेशन के माध्यम से खेतों की उपज बढ़ती है, जिससे किसान समृद्धशाली होंगे। कार्यक्रम में शिव कुमार जी (पश्चिम बंगाल के स्टेट डायरेक्ट) ने बताया कि मधुमक्खी का व्यवसाय कम खर्च पर अधिक आमदनी का व्यवसाय है। यह हमारे वातावरण को सुरक्षित रखते हैं। शहद का सेवन अमृत समान होता है। कार्यक्रम में सेवाभावी आशीष जी, बिमल जी, बिनोद कुमार (सूर्या फाउण्डेशन), सुदर्शन जी, अनन्या जी, प्रशांत जी, सोबिंदो बर्मन जी एवं तरुण जी उपस्थित होकर विशेष सहयोग किया।

विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन निमेड़ा, राजस्थान

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत युवाओं को राष्ट्र व समाज से जोड़ने के लिए भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। उनमें एक है रक्तदान। रक्तदान मानव कल्याण का प्रमुख कार्य है। जयपुर के निमेड़ा गाँव में युवाओं ने मिलकर विवेकानंद नवयुवक मंडल नामक संगठन का निर्माण किया। इसके साथ मिलकर सूर्या फाउण्डेशन ने सातवें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। **विवेकानंद नवयुवक मंडल के अध्यक्ष गोविंद सेन व सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं के प्रयास से रक्तदान शिविर में 103 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।** सभी रक्तदाताओं के उत्साह हेतु सड़क सुरक्षा को ध्यान रखते हुए एक-एक हेलमेट देकर, यातायात के नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. कैलाश वर्मा जी (पूर्व विधायक, बगरू), प्रिंयका शर्मा जी (संगठन मंत्री नीति आयोग), ओंकारमल जी (सरपंच), प्रभुदयाल जी (पूर्व सरपंच) एवं सेवाभावीगण उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता आयोजन

अमृत महोत्सव के तहत सूर्या फाउण्डेशन द्वारा देशभर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, उन्हीं में से देवभूमि उत्तराखण्ड के गाँव टीला में महापुरुषों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सूर्या संस्कार केन्द्र के 40 भैया बहनों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सभी को महापुरुषों के चित्र बनाने हेतु बताया गया। प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पहले क्षेत्र प्रमुख नीतिश जी ने सभी बच्चों को कई महापुरुषों के वीरगाथाओ की जानकारी दी। प्रमुख रूप से वीर शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, स्वामी विवेकानंद, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचन्द्र बोस भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई आदि से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुनाए। सभी बच्चें ने बड़े ही उत्साह से चित्रांकन किया।

युवा निर्माण में उपयोगी है कम्प्यूटर

सूर्या फाउण्डेशन–आदर्श गाँव योजना के द्वारा गाँव गोल्लापुरम, हिंदूपुर (आंध्र प्रदेश) में स्कूल के बच्चों को आधुनिक शिक्षा देने के लिए शासकीय माध्यमिक विद्यालय में 2 सेट कम्प्यूटर दिया गया, जिसमें बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ तकनीकि शिक्षा के बारे में भी जानकारी मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय सरपंच श्री एन. देवराजू जी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के लिए सभी को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। वर्तमान प्रतिस्पर्धी दुनिया में सामान्य शिक्षा के साथ–साथ तकनीकी शिक्षा की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि सूर्या फाउण्डेशन ने इस समस्या को पहचाना और हमारे गाँव के लिए दो कम्प्यूटर सेट प्रदान किए। गाँव के एम.एल.सी. मोहम्मद इकबाल ने सूर्या फाउण्डेशन द्वारा किए गये इस कार्य की दिल से सराहना की। इस कार्यक्रम में सिंगल विंडो के पूर्व अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर रेड्डी, वर्तमान सिंगल विंडो अध्यक्ष श्री रंगनाथ जी, स्कूल के समस्त शिक्षक बंधु, सचिवालय के कर्मचारी व सेवाभावीगण उपस्थित रहे।

संस्कार केन्द्र पर पुस्तक वितरण

सूर्या फाउण्डेशन–आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत ग्वालियर के गाँव बरेठा में चलाये जा रहे सूर्या संस्कार केन्द्र के 25 बच्चों को गाँव के ही सेवाभावी श्री चंद्रभान एवं युवा टोली द्वारा 25 पेन, पेंसिल एवं कॉपियों का वितरण किया गया। संस्कार केन्द्र के शिक्षक सोनू राजपूत ने बच्चों को बताया कि पुस्तकें हमारी मित्र होती हैं। यदि हम अपनी पुस्तकों को सुव्यवस्थित रखते हैं, तो वह अधिक समय तक हमारे उपयोग में आ सकती है। किताबें हमें अनुशासन के साथ–साथ जीवन की अमूल्य चीजें सिखाती हैं। इस दौरान बच्चों के चेहरे पर खुशी का माहौल दिखा।

संस्कार केन्द्र के बच्चों को कराया गया - मथुरा भ्रमण

अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चलाये जा रहे ब्रज क्षेत्र के आसपास के 24 गाँवों के सूर्या संस्कार केन्द्रों के भैया-बहनों का भारत भ्रमण के तहत वृंदावन बांके बिहारी, इस्कॉन मंदिर, वात्सल्य ग्राम, प्रेम मंदिर, बरसाना रमणरेती, गोकुल आदि दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया गया। मंदिर भारतीय संस्कृति के श्रद्धा का केंद्र बिंदु है इन मंदिरों के प्रति जो हमारा इतिहास अभी भी प्रतिबिंब बना हुआ है। भारतीय परम्परा एवं उसके गौरव की गाथाओं को आज भी भारतीय संस्कृति का संस्कार केंद्र मंदिर है इस दृष्टि से गाँव के बच्चों को स्मृति के माध्यम से इन मंदिरों तथा तीर्थ स्थलों का दर्शन करा कर उनके महत्व को बताया गया। तीर्थ स्थलों के महत्त्व की जानकारी वहाँ के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा दी गयी। बच्चों में इस कार्यक्रम के प्रति रोचकता देखने में आई। गाँव में जाकर सभी के लिए दर्शन किए हुए तीर्थ स्थान के बारे में प्रश्नोत्तर का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इससे गाँव के परिवारों में भारतीय संस्कृति के प्रति नवजागरण हुआ तथा गाँव के लोगों का इन स्थलों के प्रति आस्था तथा श्रद्धा में वृद्धि हुई है।

कार्यकर्ता दक्षता वर्ग झिंझौली, सोनीपत (आश्रम)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं का 5 दिवसीय कार्यकर्ता दक्षता वर्ग, सूर्या साधना स्थली झिंझौली (आश्रम) में 3 से 7 मार्च 2022 तक आयोजित किया गया। इस वर्ग में आदर्श गाँव योजना द्वारा हो रहे कार्यों की पिछले 3 माह की रिपोर्टिंग, अभियानों की रिपोर्टिंग तथा आगामी 3 माह की प्लानिंग की गयी। प्रमुख रूप से नवंबर से लेकर मार्च 2022 तक चलाए गए अभियानों जैसे- खेलकूद प्रतियोगिता, रोगमुक्त भारत अभियान, अमृत महोत्सव के अंतर्गत हुए कार्य आदि से क्षेत्र में हुए परिवर्तनों के अनुभव साझा किये गये। दक्षता वर्ग का शुभारंभ 3 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र के सह बौद्धिक प्रमुख श्री रोशन लाल जी, श्री वेदजी, श्री हेमंत जी (वाइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन) के द्वारा भारत माता के चित्र के सामने दीपक जलाकर किया गया। मुख्य वक्ता श्री रोशन लाल जी ने कहा कि कोई कार्य पहले खुद करना, फिर दूसरों को करने के लिए प्रेरित करना। फिर अच्छा कार्य करने पर उनकी प्रशंसा करना। जिस प्रकार एक मूर्तिकार पत्थरों को तराश कर मूर्ति बनाता है और फिर खुद भी उसको प्रणाम करता है, पूजा करता है। ब्रिगेडियर डी. सी. पंत जी एवं वेद जी को चयनित 10 आदर्श गाँव के

सीनियर टोली के साथ आदर्श गाँव योजना की टीम

कार्यकर्ताओं द्वारा गाँव में हुए विकास कार्यों की जानकारी विस्तृत रूप से दी गयी। साथ ही आगामी कार्य योजनाओं की चर्चा की गयी। नई शिक्षा नीति पर आधारित सूर्य भारती पुस्तकों पर प्रो.एच. एल. शर्मा जी द्वारा सभी कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा हुई। श्री कामेश्वर जी ने सभी कार्यकर्ताओं को प्रवास एवं व्यवस्थित कार्यकर्ता के बारे में बताया। शिविर में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर चल रहे अमृत महोत्सव कार्यक्रम में क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाई गयी। महिला सशक्तिकरण हेतु स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का प्रशिक्षण, शिक्षकों हेतु आचार्य व्यक्तित्व विकास शिविर, बच्चों के लिए लघु व्यक्तित्व विकास शिविर एवं गाँवों में किए जाने वाले विकास कार्यों पर कार्यकर्ताओं द्वारा चर्चा एवं वर्कशॉप की गयी। **शिविर में सूर्या फाउण्डेशन के चेयरमैन पद्मश्री जय प्रकाश अग्रवाल जी ने कहा कि यदि हम समाज में एक सामान्य ग्रामवासी बन कर समाज सेवा का कार्य करेंगे तो समाज में परिवर्तन दिखाई देगा। शिविर में प्रमोद जी और श्री भरतराज जी का भी मार्गदर्शन मिला।**

भारत माता मंदिर झिंझौली भ्रमण

महिला सशक्तिकरण - मालनपुर, मध्य प्रदेश

नये बैच का शुभारंभ, सिलाई केन्द्र-सिंगवारी

महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर के सिंघवारी गाँव में 2014 का सिलाई केन्द्र में प्रथम बैच प्रारंभ किया गया था, जिसमें महिलाओं को हुनर के साथ-साथ स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध हुआ। आज यहां की महिलायें सिलाई व कढ़ाई सीखने के साथ-साथ अनेकों स्थानों पर प्रशिक्षण भी दे रही हैं। मार्च माह में सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र सिंगवारी में 15 बहनों एवं माताओं का नया बैच प्रारंभ किया गया। इस सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से अभी तक 157 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षिका श्रीमती कविता जी द्वारा ब्लाउज, कुर्ती, सूट-सलवार आदि विभिन्न प्रकार कपड़ों की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। सिलाई प्रशिक्षण का एक बैच 6 माह का होता है। नए बैच के प्रारंभ में मध्य प्रदेश क्षेत्र प्रमुख श्री शिव रजवाड़े जी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य महिलाओं को प्रशिक्षित कर उनको आत्मनिर्भर बनाना है।

स्वयं सहायता समूह के माध्यम से पशुपालन का स्वरोजगार

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के तहत मालनपुर क्षेत्र में विगत 10 वर्षों से गाँव के लोगों को स्वावलंबन और आत्मनिर्भर होने के लिए सतत प्रयास किया जा रहा है। तिलोरी गाँव की महिलाओं को फाउण्डेशन के द्वारा स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया। बीजासन स्वयं सहायता समूह की सचिव श्रीमती छाया ने समूह के माध्यम से पशुपालन के लिए 1 लाख रुपये की धन राशि लेकर, अपने सदस्यों के साथ मिलकर दूध डेयरी का कार्य प्रारंभ किया। मालनपुर औद्योगिक केन्द्र होने से दूध की यहाँ ज्यादा और आसानी से खपत हो जाती है। इससे गाँव की महिलाओं को रोजगार मिला है। महिलायें फाउण्डेशन के प्रयास से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मैनेजमेंट गुरु हैं, पवनपुत्र हनुमान जी

पवनपुत्र हनुमान : हिन्दू मान्यताओं में उल्लिखित सभी देवी-देवता पूजनीय और सम्माननीय हैं, उनकी महिमा गाथा किसी से कम नहीं लेकिन पवनपुत्र हनुमान को मुख्य दर्जा दिया गया है। बजरंग बली को बल और बुद्धि के देव के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि बजरंग बली की पूजा करने से सभी ग्रहों की शांति और उनके बुरे प्रभाव से मुक्ति पाई जा सकती है।

बेहतरीन प्रबंधक : क्या आपने कभी ये सोचा है कि भले ही पवनपुत्र हनुमान ईश्वर का अवतार और एक चमत्कारी व्यक्तित्व हैं, लेकिन अगर हम उनके जीवन पर नजर डालें तो वह एक बेहतरीन प्रबंधक भी हैं। वे ना सिर्फ अपने उद्देश्यों को पूरा करना जानते हैं बल्कि मानव संसाधनों का किस तरह प्रयोग करना है, ये बात भी उन्हें अच्छी तरह मालूम है।

मैनेजमेंट के गुण : हमारे पुराण केवल कथानक नहीं बल्कि जीवन का मार्गदर्शन करने वाले ग्रंथ भी हैं। प्रबंधन के क्षेत्र से जुड़े बहुत से लोग स्वयं रामचरित मानस में लिखित ऐसे कई उदाहरणों के बारे में अपने छात्रों को बताते हैं, जिसके जरिए स्वयं महाबली के मैनेजमेंट के गुण को भली प्रकार समझा जा सकता है।

गुण : वे परम बलशाली हैं, उनके बल के सामने किसी की नहीं चलती लेकिन फिर भी कितने ही उदाहरण हमारे समक्ष हैं, जहाँ उन्होंने बल का नहीं अपनी बुद्धि का उपयोग किया। जहाँ उन्हें झुकना चाहिए, जहां उन्हें कुशलता से काम लेना चाहिए था। वहाँ उन्होंने ऐसा ही किया। आजकल के लोग भले ही हमेशा अपनी बुद्धि के स्थान पर अपने बल का परिचय देते हैं लेकिन हनुमान जी को केवल भगवान मानकर पूजने से अच्छा है उनकी जीवन गाथा से संबंधित कुछ गुण भी अवश्य सीख लेने चाहिए।

लक्ष्य हासिल ना होने तक विश्राम नहीं : रामयण के प्रसंग के अनुसार जब हनुमान को उनकी शक्तियां याद दिलाई जाती हैं, तब वह सीता माता को ढूंढ़ने के लिए समुद्र लांघने के लिए तैयार हो जाते हैं। उनके मार्ग में ना जाने कितनी समस्याएं आईं, जहां उन्हें बल का प्रयोग करना था वहां बल का किया और जहां बुद्धि से काम लेना था वहां बुद्धि का। वे तब तक चैन से नहीं बैठे जब तक वह सीता माता तक पहुंच नहीं गए।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए नम्रता : रामायण कथा के अनुसार जब बजरंग बली को समुद्र को लांघकर माता सीता की खोज करनी थी तब उन्हें बीच में सुरसा नामक राक्षसी ने रोका और उन्हें निगलने की जिद्द की। हनुमान जी के बहुत मनाने के बाद भी जब वह नहीं मानी तो हनुमान जी ने बड़े से स्वरूप को छोटा कर उनकी आज्ञा का पालन किया और उनके मुख में प्रवेश कर गए। वे उनके मुख से घूमकर निकल आए, ऐसा कर सुरसा की जिद्द भी पूरी हुई और वे लंका भी पहुंच गए। यह घटना दर्शाती है कि आपको अपने लक्ष्य पर एकाग्र होना चाहिए और अगर उसके लिए किसी के समक्ष झुकना भी पड़े तो यह आपकी हार नहीं है।

जरूरत पड़ने पर बल का प्रयोग : जब बजरंगबली लंका के द्वार पहुंचे तब लंकिनी नामक राक्षसी ने उन्हें रोकना चाहा और उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। उस समय रात थी और लंका में प्रवेश करने का यही मौका सबसे अच्छा था। दिन में प्रवेश करना कठिन होता और रात को लंकिनी उन्हें प्रवेश करने नहीं दे रही थी। ऐसे में हनुमान जी को अपने बल का प्रयोग करना पड़ा जो ऐसी स्थिति में उचित था।

गर्मियों में पीने हेतु सेहतमंद पेय पदार्थ

गर्मी का मौसम आते ही तापमान बढ़ जाता है, हर गली-चौराहे पर शिकंजी, ठंडाई, बर्फ के गोले, पना, लस्सी, कोल्डड्रिंक आदि की दुकानें सज जाती हैं। इस मौसम में शरीर को शीतलता की जरूरत होती है। बढ़ती गर्मी की वजह से पसीना ज्यादा निकलता है तो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट कम होने लगता है और लू लगने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में ठंडे पेय शरीर को राहत देते हैं। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि ठण्डे के नाम पर कुछ भी पीना सेहत के लिए नुकसानदेय हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि उचित शीतल पेयों का सेवन करें, ताकि गर्मी से तो राहत मिले ही साथ ही सेहत भी ठीक रहे। **जैसे-**

नीबू शिकंजी : गर्मी में सबसे आसान और सस्ते शीतल पेय में नींबू की शिकंजी का नाम सबसे पहले आता है। ठण्डे पानी में एक नींबू निचोड़कर उसमें स्वाद अनुसार शक्कर और काला नमक मिलाएं तो स्वादिष्ट शिकंजी तैयार हो जाती है। शहद के साथ शिकंजी बनाई जाए तो और भी फायदेमंद होती है। शिकंजी शीतलता प्रदान करने के साथ ऊर्जा भी देती है और पेट की बीमारियाँ दूर करता है। यह विटामिन **सी** का अच्छा स्रोत है।

आम का पना : सदियों से आम का पना गर्मियों में अमृत माना जा रहा है। भुना या उबाला हुआ कच्चा आम, पुदीना, काला नमक, शक्कर, भुना पिसा जीरा आदि मिलाकर बनाया हुआ पना स्वाद में तो अद्‌भुत होता ही है साथ में लू से भी बचाता है। वसा और कोलेस्ट्रॉल से परेशान लोगों के लिए यह वरदान हो सकता है। पना कई स्वाद में तैयार किया जा सकता है। यह नमकीन और खट्‌टा-मीठा हो सकता है।

छाछ : दही से मक्खन निकालने के बाद जो तरल पदार्थ बचता है, उसे छाछ या मट्‌ठा कहते हैं। यह बिना मक्खन निकाले दही से भी बनाई जाती है। इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, पुदीना पाउडर, काला नमक, हींग आदि मिलाने से यह काफी स्वादिष्ट हो जाती है। छाछ को खाने के साथ लेना चाहिए, यह भोजन को आसानी से पचाता है। छाछ रात के समय नहीं पीना चाहिए, रात में छाछ पीने से कफ की समस्या हो सकती है।

पुदीने का शर्बत : एक गिलास पानी में पुदीने की पिसी हुई 10-12 पत्तियाँ, भुना हुआ जीरा, काला नमक और शक्कर मिलाकर शर्बत तैयार करें। जीरा की जगह एक छोटा चम्मच पिसा हुआ सौंफ मिलाकर इस शर्बत का अलग स्वाद तैयार कर सकते हैं। यह शर्बत लू, बुखार, उल्टी व गैस जैसी तकलीफों में लाभकारी है।

गन्ने का रस : गन्ने में शक्कर प्राकृतिक अवस्था में होती है, इसलिए यह आसानी से पच जाती है। दिलचस्प है कि चीनी जैसी सफेद शक्कर पीलिया जैसे लिवर के रोगों में नुकसानदेय होती है, लेकिन गन्ने का रस पीलिया में फायदेमंद होता है। यह ग्लूकोज का अच्छा स्रोत है। इसमें कई विटामिन और खनिज तत्त्व पाए जाते हैं, जो शरीर को गर्मी से बचाने के साथ-साथ ऊर्जा व पोषण प्रदान करते हैं।

बेल का शर्बत : बेल का शर्बत गर्मी से बचाने के साथ-साथ यह पेचिश, अतिसार, कब्ज, अल्सर जैसे पेट के रोगों में फायदेमंद है। यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि बेल के गूदे से बीज पूरी तरह निकालकर, मसलकर शर्बत बनाएं। इसे कुछ भी खाने के दो-तीन घंटे पहले या बाद में पीना चाहिए।

बोधकथा - जीना यहाँ मरना यहाँ

भगवान महावीर राजगृह में पधारे। उनके दर्शन के लिए श्रेणिक राजा, पूर्णिया श्रावक व कालसौकरिक कसाई आये। सब ने भगवान की वंदना की और पर्युपासना करने लगे। भगवान के दर्शन वंदन प्रवचन से सबने अपने आपको धन्य माना। सहसा भगवान को छींक आई। वहाँ पर उपस्थित एक देव जो भगवान की पर्युपासना करने आया था। उसने कहा **शीघ्र म्रियस्व** अर्थात् जल्दी मरो। देव की यह बात किसी को अच्छी नहीं लगी।

थोड़ी देर पश्चात् राजा श्रेणिक को भी छींक आई। देव बोला, **चिरंजीव** अर्थात् बहुत दिनों तक जीओ। यह सुनकर राजा हैरान हो गया। तभी पूर्णिया श्रावक को भी छींक आयी। देव ने अब की बार कहा **जीव वा म्रियस्व वा** अर्थात् जीओ या मरो। इसके बाद अचानक कालसौकरिक कसाई को भी छींक आ गई। तब देव बोला, **न जीव, न म्रियस्व** अर्थात् न जियो न मरो।

चार व्यक्ति, घटना एक और देव द्वारा की गई अलग-अलग टिप्पणियों से राजा श्रेणिक के आश्चर्य का पारावार न रहा। उनको तीव्र जिज्ञासा हुई और भगवान से अपनी जिज्ञासा के शमन हेतु निवेदन किया, प्रभु यह सब क्या था? भगवान महावीर ने कहा, राजन्! उस देव ने जो कहा, ठीक कहा जब मुझे छींक आई तो उसने कहा, शीघ्र मरो।

अच्छा है क्योंकि जब तक मेरा यह शरीर नहीं छूटेगा, मेरी मुक्ति संभव नहीं है। कर्म काटकर मरने से ही मुझे मुक्ति मिलेगी। अतः मेरा शीघ्र मर जाना ही श्रेयस्कर है। इसके पश्चात् उसने तुम को जीने के लिए कहा, क्योंकि तुमने अगले भव का नरक का आयुष्य बाँधा है। अतः तुम्हें वहाँ जाना होगा। वहाँ दु:ख ही दु:ख है। जबकि यहाँ तुम राजा के रूप में पुण्य का भोग कर रहे हो, अतः तुम जितने ज्यादा समय तक जियो, उतना ही अच्छा है।

तत्पश्चात् पूर्णिया के लिए जो कहा कि जियो अथवा मरो, तो इसका तात्पर्य है कि पूर्णिया एक धार्मिक व्यक्ति है। धर्ममय जीवनयापन करने से उसका वर्तमान भव का जीवन भी अच्छा है और मरकर उसे देवगति में जाना है, जहाँ पर भी उसे पुण्य सामग्री मिलने वाली है अतः ऐसा कहा गया कि जिओ या मरो। अंत में कालसौकरिक कसाई के बारे में न जियो न मरो का निहितार्थ यह है कि यह यहाँ महापाप कर रहा है। वह जब तक जीवित रहेगा, पाप कर्म ही करेगा एवं मरकर उसे नरक में जाना है, वहाँ भी पाप का फल मिलना है अतः न उसका जीना भला, न मरना भला है।

भगवान के उक्त बोध से श्रेणिक ने सही बोध प्राप्त कर लिया और भगवान के चरणों में नतमस्तक हो पुनः राजमहल लौट गया। वस्तुतः सार यही है कि अच्छे कर्म करने वाले को अच्छा ही फल मिलता है।

प्रत्येक मानव को अनंत पुण्यवानी से यह जीवन मिला है। इस जीवन को वह अपने सत्पुरुषार्थ से संस्कारित कर सकता है। अभाव आकाश का नहीं, उड़ने वाले पंखों का है, अभाव प्रकाश का नहीं, देखने वाली आंखों का है। भरे समंदर के बीच रह कर भी मीन प्यासी क्यों? यह प्रश्न सिर्फ मेरा नहीं हजारों लाखों का है।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा हुए कार्य, समाचार पत्रों में

18 राज्यों के पूर्ण कालिकों का कार्यकर्त्ता दक्षता वर्ग कार्यक्रम संपन्न

कार्यक्रम के समापन पर मौजूद विभिन्न प्रदेशों के कार्यकर्ता।

खरखौदा, 9 मार्च (शर्मा): सूर्या साधना स्थली झिंझोली में सूर्या फाऊंडेशन के 18 राज्यों के 50 पूर्ण कालिकों का कार्यकर्ता दक्षता वर्ग कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बीते 3 महीनों की कार्य समीक्षा के साथ-साथ आगामी 3 महीनों में होने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। आगामी अप्रैल मास में होने वाले व्यक्तित्व विकास शिविर तथा मई-जून में होने वाले पौधारोपण कार्यक्रम की भी योजना बनाई गई।

शिविर दौरान सूर्या फाऊंडेशन के चेयरमैन जयप्रकाश, सेवा भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सुधीर कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय सह बौद्धिक प्रमुख रोशनलाल आदि ने बताया कि देश के विभिन्न प्रदेशों से कार्यकर्ता यहां आकर योग, सांस्कृतिक, सामाजिक, पौधारोपण व अन्य कार्यक्रमों में भाग लेकर बहुत कुछ सीखते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जब युवा अपने प्रदेश में वापस जाते हैं तो वहां के युवाओं को संगठित करके उन्हें प्रेरित करते हैं।

शिविर में 103 यूनिट हुआ एकत्र

निमेड़ा @ पत्रिका. आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत विवेकानंद नवयुवक मंडल निमेड़ा व सूर्या फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व संसदीय सचिव कैलाश वर्मा, निमेड़ा सरपंच ओंकारमल लांबा, ओमप्रकाश टेलर, लालाराम कुम्हार, मदन बुरी (पंचायत समिति सदस्य), गोपाल बुरी समेत अन्य ग्रामवासी उपस्थित हुए। मंडल सदस्य राकेश टेलर ने बताया कि शिविर में 103 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में मण्डल अध्यक्ष गोविंद सेन, कानाराम जाट, शैलेश टेलर, शंकर शर्मा, मुकेश वर्मा, कानाराम सेन, हनुमान सेन व सूर्या फाउंडेशन से मंगलचंद चौधरी

విద్యార్థుల సాంకేతిక విద్యకు ....

సూర్య ఫౌండేషన్ దోహదం

హిందూపురం (అనంత భూమి): గ్రామీణ ప్రాంతాలలో ప్రాథమిక విద్యను బలోపేతం చేయడానికి ప్రతి ఒక్కరూ కృషి చేయాలని స్థానిక సర్పంచ్ దేవరాజ్ పేర్కొన్నారు. శనివారం గోళ్ళాపురం సమీపాన గల సూర్య ఫౌండేషన్ పరిశ్రమ ఆర్థిక సహకారంతో వితరణ గావించిన రెండు కంప్యూటర్ల ప్రదానోత్సవం కార్యక్రమానికి ఆయన ముఖ్యఅతిథిగా పాల్గొని ఆయన చేతుల మీదుగా బటన్ నొక్కి విద్యార్థులకు అందచేశారు. ప్రస్తుత పోటీ ప్రపంచంలో సాధారణ విద్యతో పాటు సాంకేతిక విద్య ఎంతో అవసరమన్నారు. ఈ సమస్యను సూర్య ఫౌండేషన్ యాజమాన్యం గుర్తించి రెండు కంప్యూటర్ల ప్రదానం గావించడం హర్షణీయం అన్నారు. గ్రామంలో ఎమ్మెల్సీ మహమ్మద్ ఇక్బాల్ స్ఫూర్తితో సూర్య ఫౌండేషన్ సహాయంతో ఎంపీయూపీ పాఠశాల నందు పిల్లల సహాయార్థం రెండు కంప్యూటర్లు పంపిణీ చేయడం సూర్య ఫౌండేషన్ ఆదర్శంగా నిలుస్తారనీ కొనియాడారు. ఈ కార్యక్రమంలో మాజీ సింగల్ విండో ప్రెసిడెంట్ చంద్ర శేఖర్ రెడ్డి, ప్రస్తుత సింగల్ విండో ప్రెసిడెంట్ రంగనాథ్, వాలెంటీర్ వేణు, పాఠశాల

ఆర్వో వాటర్ ప్లాంట్ వితరణ

హిందూపురం, మేజర్‌న్యూస్ : సూర్య ఫౌండేషన్ ఆధ్వర్యంలో తూముకుంట చెక్ పోస్ట్ మరియు చుట్టుప్రక్కల ప్రాంతాల్లో పది గ్రామాలలో చిన్న పిల్లలకు ఉచితంగా ట్యూషన్ చెప్పించడం, మహిళలకు కుట్టు మిషన్లు ట్రైనింగ్ ఇప్పించడం, విద్యార్థులకు స్పోర్ట్స్ కిట్స్ అందించడం, మొదలగు అనేక కార్యక్రమాలు చెపట్టడం జరిగింది. అందులో భాగంగా ఈరోజు తూముకుంట చెక్‌పోస్ట్ ఎంపిపిఎస్ పాఠశాలకు ఆర్‌ఓ వాటర్ ప్లాంట్‌ను డోనేట్ చేయడం జరిగింది. ఈ సందర్భంగా పాఠశాల ప్రధానోపాధ్యాయుడు రోళ్ల కరియన్న ఉపాధ్యాయిని భారతి మరియు విద్యార్థి తల్లిదండ్రులు, గ్రామ సర్పంచ్ పకిరప్ప, మూర్తి సేవలను కొనియాడారు. ఈ కార్యక్రమంలో సూర్య ఫౌండేషన్ వేణు పాల్గొన్నారు.

रोग मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया

काशीपुर 14 मार्च (मंटा संवाददाता)। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान एवं आयुष मंत्रालय के सहयोग से इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन एवं सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित रोग मुक्त भारत कार्यक्रम आदर्श ग्राम लालपुर में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रूपा घोष नेचुरोपैथी और डॉ. महजवी परवीन (नेचुरोपैथी), ओमप्रकाश, ग्राम के वरिष्ठ सेवाभावी एवं कार्यक्रम आयोजक नीतिश कुमार सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ता सुनील, विकास, अंकित, सचिन, रवि, शुभम त्रिपाठी, गौरव, मुनेश, शिवस्वामी, आदर्श गांव प्रमुख भारत साह एवं गांव के सभी ग्रामीण युवा, महिलाये व पुरूष लगभग 150 की संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. महजवी परवीन ने ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए कई मंत्र दिए। ग्रामीणों ने डॉक्टर से अपनी बीमारियों को दूर करने के लिए उपाय भी पूछे। डॉ. रूप घोष ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सुनी और उनके निवारण के उपाय भी बताए। क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन व इंटरनेशनल नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन एक सामाजिक संस्था है जो देश के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित है पिछले 30 वर्षो से राष्ट्र निर्माण गतिविधियों के साथ-साथ योग चिकित्सा का ज्ञान तथा लाभ घर-घर तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम का संचालन शुभम त्रिपाठी ने किया।